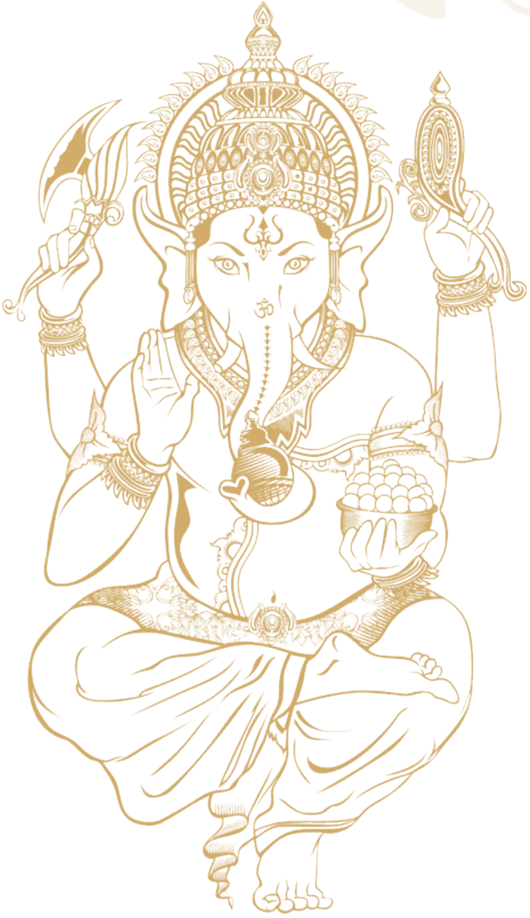

# Akesh

01 Nov 1994

01:30 AM

Ahar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120909716

लिंग : पुल्लिंग
**जन्म तिथि : 31-01/11/1994**
दिन : सोम-मंगलवार
**जन्म समय : 01:30:00 घंटे**
इष्ट : 47:34:36 घटी
**स्थान : Ahar**
राज्य : Uttar Pradesh
देश : India

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 28:29:00 उत्तर |
| रेखांश | 78:13:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:17:08 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 01:12:52 घंटे |
| वेलान्तर | 00:16:24 घंटे |
| साम्पातिक काल | 03:52:25 घंटे |
| सूर्योदय | 06:28:09 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:33:13 घंटे |
| दिनमान | 11:05:04 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | हेमन्त |
| सूर्य के अंश | 14:22:47 तुला |
| लग्न के अंश | 08:14:20 सिंह |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | सिंह - सूर्य |
| **राशि-स्वामी** | **कन्या - बुध** |
| **नक्षत्र-चरण** | **उ०फाल्गुनी - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | सूर्य |
| योग | वैधृति |
| करण | तैतिल |
| गण | मनुष्य |
| योनि | गौ |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | वैश्य |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मूषक |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | भूमि |
| जन्म नामाक्षर | पा-पवन |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | रजत - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृश्चिक |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | सिंह | 08:14:20 | 313:13:34 | मघा | 3 | 10 | सूर्य | केतु | गुरु | --- |
| सूर्य | | | तुला | 14:22:47 | 01:00:02 | स्वाति | 3 | 15 | शुक्र | राहु | बुध | नीच राशि |
| चंद्र | | | कन्या | 06:21:06 | 14:28:53 | उ०फाल्गुनी | 3 | 12 | बुध | सूर्य | बुध | मित्र राशि |
| मंगल | | | कर्क | 20:32:25 | 00:28:59 | आश्लेषा | 2 | 9 | चंद्र | बुध | शुक्र | नीच राशि |
| बुध | | | कन्या | 27:16:51 | 00:18:03 | चित्रा | 2 | 14 | बुध | मंगल | गुरु | स्वराशि |
| गुरु | | | तुला | 27:42:18 | 00:13:05 | विशाखा | 3 | 16 | शुक्र | गुरु | शुक्र | शत्रु राशि |
| शुक्र | व | अ | तुला | 17:48:15 | 00:35:51 | स्वाति | 4 | 15 | शुक्र | राहु | सूर्य | मूलत्रिकोण |
| शनि | व | | कुंभ | 11:57:18 | 00:00:53 | शतभिषा | 2 | 24 | शनि | राहु | शनि | मूलत्रिकोण |
| राहु | व | | तुला | 21:01:52 | 00:00:35 | विशाखा | 1 | 16 | शुक्र | गुरु | गुरु | मित्र राशि |
| केतु | व | | मेष | 21:01:52 | 00:00:35 | भरणी | 3 | 2 | मंगल | शुक्र | गुरु | मित्र राशि |
| हर्ष | | | धनु | 28:58:32 | 00:01:30 | उत्तराषाढ़ा | 1 | 21 | गुरु | सूर्य | मंगल | --- |
| नेप | | | धनु | 27:01:18 | 00:00:58 | उत्तराषाढ़ा | 1 | 21 | गुरु | सूर्य | सूर्य | --- |
| प्लूटो | | | वृश्चिक | 03:24:25 | 00:02:18 | अनुराधा | 1 | 17 | मंगल | शनि | शनि | --- |
| दशम भाव | | | वृष | 06:29:19 | -- | कृतिका | -- | 3 | शुक्र | सूर्य | बुध | -- |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:16

## लग्न-चलित

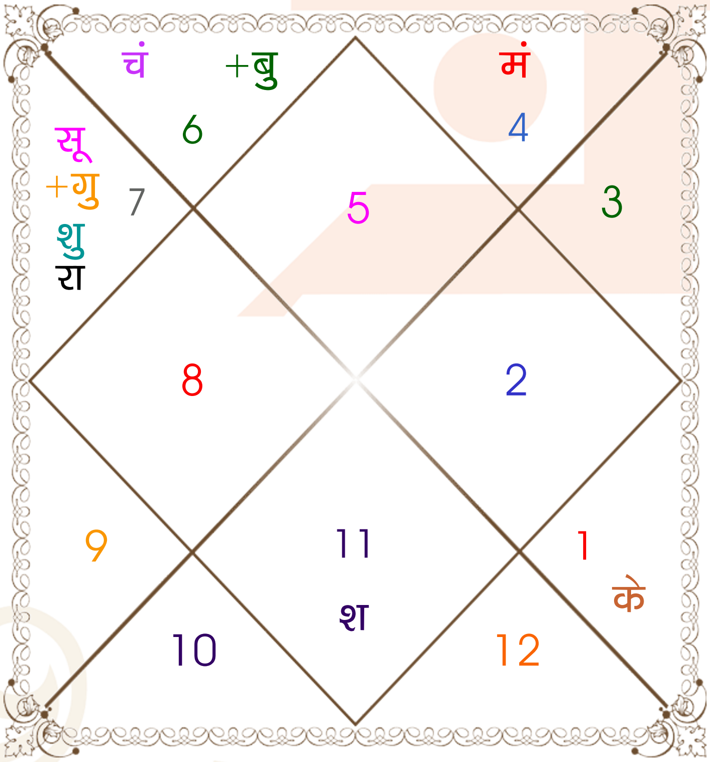


## चन्द्र कुंडली

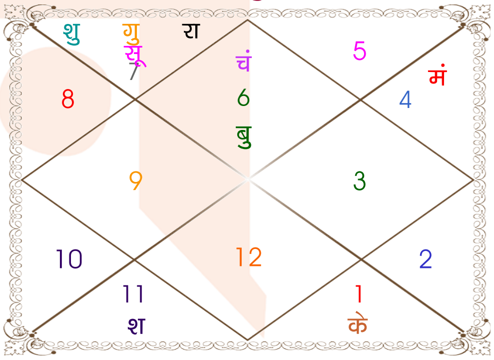


## नवमांश कुंडली

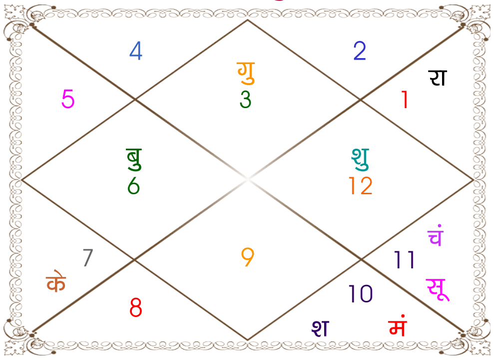

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 7 मास 21 दिन

| सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 01/11/1994 | | 22/06/1996 | | 23/06/2006 | | 22/06/2013 | | 23/06/2031 |
| | 22/06/1996 | | 23/06/2006 | | 22/06/2013 | | 23/06/2031 | | 23/06/2047 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 23/04/1997 | मंगल | 19/11/2006 | राहु | 05/03/2016 | गुरु | 10/08/2033 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 22/11/1997 | राहु | 07/12/2007 | गुरु | 29/07/2018 | शनि | 21/02/2036 |
| | 00/00/0000 | राहु | 24/05/1999 | गुरु | 12/11/2008 | शनि | 04/06/2021 | बुध | 29/05/2038 |
| | 00/00/0000 | गुरु | 22/09/2000 | शनि | 22/12/2009 | बुध | 23/12/2023 | केतु | 05/05/2039 |
| | 00/00/0000 | शनि | 23/04/2002 | बुध | 19/12/2010 | केतु | 09/01/2025 | शुक्र | 03/01/2042 |
| | 01/11/1994 | बुध | 22/09/2003 | केतु | 17/05/2011 | शुक्र | 10/01/2028 | सूर्य | 22/10/2042 |
| बुध | 15/02/1995 | केतु | 22/04/2004 | शुक्र | 17/07/2012 | सूर्य | 04/12/2028 | चंद्र | 21/02/2044 |
| केतु | 23/06/1995 | शुक्र | 22/12/2005 | सूर्य | 21/11/2012 | चंद्र | 04/06/2030 | मंगल | 27/01/2045 |
| शुक्र | 22/06/1996 | सूर्य | 23/06/2006 | चंद्र | 22/06/2013 | मंगल | 23/06/2031 | राहु | 23/06/2047 |

| शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 23/06/2047 | | 23/06/2066 | | 23/06/2083 | | 23/06/2090 | | 24/06/2110 |
| | 23/06/2066 | | 23/06/2083 | | 23/06/2090 | | 24/06/2110 | | 00/00/0000 |
| शनि | 26/06/2050 | बुध | 18/11/2068 | केतु | 19/11/2083 | शुक्र | 22/10/2093 | सूर्य | 11/10/2110 |
| बुध | 05/03/2053 | केतु | 16/11/2069 | शुक्र | 18/01/2085 | सूर्य | 22/10/2094 | चंद्र | 12/04/2111 |
| केतु | 14/04/2054 | शुक्र | 15/09/2072 | सूर्य | 26/05/2085 | चंद्र | 22/06/2096 | मंगल | 18/08/2111 |
| शुक्र | 13/06/2057 | सूर्य | 23/07/2073 | चंद्र | 25/12/2085 | मंगल | 22/08/2097 | राहु | 11/07/2112 |
| सूर्य | 26/05/2058 | चंद्र | 22/12/2074 | मंगल | 23/05/2086 | राहु | 23/08/2100 | गुरु | 30/04/2113 |
| चंद्र | 26/12/2059 | मंगल | 20/12/2075 | राहु | 11/06/2087 | गुरु | 24/04/2103 | शनि | 12/04/2114 |
| मंगल | 02/02/2061 | राहु | 08/07/2078 | गुरु | 17/05/2088 | शनि | 24/06/2106 | बुध | 02/11/2114 |
| राहु | 10/12/2063 | गुरु | 13/10/2080 | शनि | 26/06/2089 | बुध | 24/04/2109 | | 00/00/0000 |
| गुरु | 23/06/2066 | शनि | 23/06/2083 | बुध | 23/06/2090 | केतु | 24/06/2110 | | 00/00/0000 |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 7 मा 15 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरूष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।